बुढ़ापे बैरी कौण सुणेगा तेरी बात हरियाणवी भजन लिरिक्स

बुढ़ापे बैरी,
कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

आया बुढ़ापा कान में कह गया,
तीन पते की बात,
मीठा बोलिए ले क चलिए,
लाठी दे दी हाथ,
बुढापे बैरी,
कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

बेटी त घरबार चली जा,
बैटै बहुंआ के हाथ,
खाण पीवण कोण देवेगा,
न्युंए तुड़ाया गात,
बुढापे बैरी,
कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

पायां त चालया ना जाता,
कान सुणे ना बात,
आंख्यां त कम दिखण लागया,
दिन सुझे ना रात,
बुढापे बैरी,
कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

चार जणे तने ले क चालं,
गोसा पुला साथ,
कहत कबीर सुणो भई साधो,
जल बल होगी राख,
बुढापे बैरी,
कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

बुढापे बैरी

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कौण सुणेगा तेरी बात।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com